भजन

तर्ज– जब हम जवां होंगे

हादी मिले जबसे हम जी उठे तब से
तेरी ही वाणी पे फिदा हम दिल से रहते हैं,दम तेरा भरते हैं
1– हम तुममें हैं तुम हममें,अब तो कोई गम ही नहीं
फरामोशी तिलस्म में रहा,कोई दम ही नहीं
सूरते ईलाही को छिपा के दिल में रखते हैं,दम तेरा भरते हैं
2– निगहबान हमारे हो रहा क्या बाकी है
इस कायम मस्ती का तूं ही मेरा साकी है
महफिल सजा करके सदायें तुमको देते हैं,दम तेरा भरते हैं
3– तुम गंज के पुंजो को लुटाते रहते हो
वाहेदते रूहों में समाए रहते हो
नजरों से पीने की भी ताकत तुमसे लेते हैं,दम तेरा भरते हैं
4– क्या क्या कुछ बक्शा है बताऊं मैं कैसे
तारीफ रूह अल्लाह की सुनाऊं मैं कैसे
सारी उम्मीदें अपनी हम तुमपे ही रखते हैं,दम तेरा भरते हैं
5– बिसात मेरे कादर की रूहों को आई
इन चौदे तबकों में मोमिनों ने पाई
बातूनी मेहरों की दावतें तुम से लेते हैं,दम तेरा भरते हैं